

पताकी पुं. (तत्.) 1. पताका धारी, झंडा उठाने वाला 2. रथ 3. एक योद्धा जो महाभारत में कौरवों की तरफ से लड़ा था 4. झंडा, ध्वज 5. ज्योतिष शास्त्र में राशियों का एक वेध।

पतापत वि. (तद्.) अति पतनशील, अत्यधिक गिरा हुआ।

पतामी स्त्री. (देश.) एक प्रकार की नौका।

पतार पुं. (तद्.) 1. दे. पाताल 2. जंगल, सघन बन 3. नीची भूमि।

पतारी स्त्री. (देश.) 1. बतख जैसा एक पक्षी, जलाशयों के किनारे या निकट रहने वाली एक चिड़िया 2. शिकार योग्य चिड़िया 3. लताकुंज।

पाताल पुं. (तद्.) दे. पाताल, पाताल का समासगत विकृत रूप।

पतावर पुं. (देश.) वृक्ष के सूखे पत्ते।

पतासी स्त्री. (देश.) बड़ई का एक औजार, छोटी रुखानी।

पतिंग पुं. (तद्.) पतंग, फतिंगा, भुनगा।

पतिंवरा वि. (तत्.) 1. ऐसी स्त्री जो अपने पति का चयन स्वयं करे, अपनी इच्छा से पति का वरण करने वाली, स्वयंवरा 2. काला जीरा, कृष्ण जीरक।

पति पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु पर अधिकार रखने वाला, वस्तु का स्वामी, अधिपति यथा- गृहपति, भूमिपति 2. ऐसा पुरुष जिसका किसी स्त्री से विधिवत विवाह हुआ हो, दूल्हा, शौहर, स्त्री विशेष का विवाहित पुरुष, भर्ता, कांत, खाविंद 3. ईश्वर, ज्ञानशक्ति और क्रियाशक्ति से संपन्न सृष्टि का वह कारण जिसका ऐश्वर्य से नित्य संबंध हो 4. जड़, मूल 5. स्त्री. प्रतिष्ठा, सम्मान दे. पत 6. (स्त्री.) लज्जा।

पतिआर पुं. (देश.) 1. विश्वास, एतबार, पतिआने का भाव, प्रतीति 2. वि. जिस पर विश्वास किया जा सके।

पतिक पुं. (तत्.) एक प्राचीन सिक्का जिसे कार्षापण के नाम से जाना जाता है।

पतिजिया स्त्री. (देश.) जीया पोता नामक एक वृक्ष, अशोक की जाति का वृक्ष।

पतित वि. (तत्.) 1. गिरा हुआ, ऊपर से नीचे की ओर गया 2. जाति तथा धर्म आदि से च्युत 3. आचारभ्रष्ट, नीच, महापातकी 4. जिसका नैतिक दृष्टि से पतन हो गया हो 5. युद्ध आदि में पराजित किया या दबाया गया 6. अपवित्र, मलिन।

पतित पावन वि. (तत्.) 1. पतित या अधम को पवित्र करने वाला, शुद्ध करने वाला 2. ईश्वर, सगुण ईश्वर 3. पुं. परमेश्वर।

पतितव्य वि. (तत्.) पतन के योग्य, गिरने वाला, गिरने लायक।

पतित्व पुं. (तत्.) 1. स्वामी, मालिक, प्रभु होने का भाव, प्रभुत्व 2. पति या पाणिग्रहक होने का भाव, वरत्व 3. मालिकियत।

पतिदेवता पुं. (तत्.) 1. स्त्री के लिए पति के ही देवता स्वरूप होने का भाव 2. वह पति जो पत्नी की दृष्टि में देव तुल्य हो।

पतिधर्म पुं. (तत्.) 1. पति का धर्म, स्वामी का कर्तव्य 2. पति के प्रति स्त्री का धर्म, स्त्री का पति के प्रति कर्तव्य।

पतिबंती वि. (तद्.) 1. पतिवती, सधवा, जिसका पति जीवित हो।

पतिभक्ति स्त्री. (तत्.) पति के प्रति सेवा शुश्रूषा का भाव, स्त्री में पति के प्रति भक्ति (अनुरक्ति) का भाव होना, पति की तनमन से सेवा-शुश्रूषा करना।

पतिमती स्त्री. (तत्.) 1. सधवा, पतिवाली 2. जिसका कोई स्वामी हो।

पतिया स्त्री. (तद्.) पत्रिका, पत्री, चिट्ठी, पाती।